अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2020) दिनांक : 21-12-2020

समय सीमा : 3 घंटा चतुर्थ वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

(नव पदार्थ) आश्रव संवर–50

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें– 16

आश्रव–किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) योग प्रत्याख्यान से जीव को क्या प्राप्त होता है?

(ख) सामन्तानुपात क्रिया आश्रव से आप क्या समझते हैं?

(ग) व्यवसाय का क्या अर्थ है? उसके प्रकारों के नाम लिखें।

(घ) संशय मिथ्या दर्शन किसे कहते हैं?

(ङ) प्राणातिपात स्थानक किसे कहते हैं?

(च) अनाभिग्रहिक मिथ्यात्व किसे कहते हैं?

(छ) आश्रव पदार्थ जीव है। इस बात को सिद्ध करने के लिए आचार्य भिक्षु ने कौन-कौन से प्रश्न उपस्थित किए हैं? प्रथम चार लिखिए।

(ज) काय योग किसे कहते हैं?

संवर–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(झ) नैषेधिकी परीषह से आप क्या समझते हैं?

(ञ) मनोगुप्ति किसे कहते हैं?

(ट) बाईस परीषहों का वर्णन कौन-कौन से आगमों में आता है?

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें– 10

(क) आश्रव–आश्रवों के स्वाभाविक रूप कितने व क्रिया रूप कितने व क्यों? ***अथवा*** लेश्या और योग में परस्पर क्या संबंध है?

(ख) संवर–संवर प्रवर्तक क्यों नहीं हो सकता? ***अथवा*** क्षायोपशमिक भाव तथा क्षायोपशमिक चारित्र को स्पष्ट करें।

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 24

(क) आश्रव–आश्रव के बयालीस भेद कौन-कौन से हैं? प्रथम तीस भेदों का विवेचन करें। ***अथवा*** स्वामीजी ने नौ त्रिकों के सार को किस प्रकार सूत्रों द्वारा प्रमाणित किया है?

(ख) संवर–सम्यक्त्व और सर्वविरति संवर का प्रत्याख्यान के सम्बन्ध का विवेचन करें। ***अथवा*** संवर के बीस भेदों का विवेचन कीजिए।

अवबोध (मनुष्य गति से शील धर्म)–30

प्र. 4 किन्हीं छह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें– 6

(क) सातों नरक पृथ्वियाँ किसके आधार पर टिकी हुई है?

(ख) जाति स्मृति कितने भवों की हो सकती है?

(ग) निसर्ग सम्यक्त्व किसे कहते हैं?

(घ) क्या परिहार विशुद्धि चारित्र संघबद्ध साधना में होता है?

(ङ) मैथुन सेवन करने वाले के क्या जीव हिंसा का भी पाप लगता है?

(च) चंदा आदि देना क्या है?

(छ) चौथी नरक में कितने अंतर व कितने प्रतर हैं तथा अंतर की ऊँचाई कितनी है?

(ज) अनंतकायिक जीवों में कितने व कौन से उपयोग होते हैं तथा वे किस राशि के अंतर्गत आते हैं?

प्र. 5 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें– 12

(क) क्या नरक में देवों का आवागमन होता है?

(ख) क्या पूरे जीव जगत को मैथुन सेवन का पाप लगता है?

(ग) सम्यक्त्व को स्थिर कैसे रखा जा सकता है?

(घ) अकर्म भूमि और अन्तर्द्वीप के मनुष्यों में क्या सम्यक्त्व होती है?

(ङ) क्या तिर्यंच श्रावक सुपात्र दान की दलाली कर सकता है?

(च) प्रत्येक नरक के कितने नरकावास हैं?

(छ) एक भव में चारित्र की सम्यग् आराधना करने वाले जीव आगे कितने भवों में चारित्र को प्राप्त कर सकते हैं?

(ज) क्या नारक जीव विकुर्वणा करते हैं यदि करते हैं तो कितने समय की?

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 12

(क) चारित्र का उत्थान व पतन कहां होता है?

(ख) छप्पन अन्तर्द्वीप कहां हैं?

(ग) ब्रह्मचर्य अणुव्रत के कितने अतिचार हैं?

श्रावक संबोध–20

प्र. 7 कोई चार पद्य लिखें– 12

(क) अमीरी अभिशाप बन जाती है, जब गरीबी से गौरव समाप्त होता है, इन शब्दों को पद्य का रूप दें।

(ख) जिसमें प्रतिदिन नौ नियमों के दैनिक प्रत्याख्यान की प्रेरणा दी गई है–वह पद्य लिखें।

(ग) जिसमें सामायिक को समता के प्रयोग का व्रत दर्शाया गया है–वह पद्य लिखें।

(घ) जिस पद्य में श्रमणोपासक मद्धुक की प्रशंसा भगवान महावीर ने की है–वह पद्य लिखें।

(ङ) व्रत स्वीकार करने की यह प्रसिद्ध विधा श्रमण संस्कृति से विकसित है और अविच्छिन्न रूप से चल रही है–वह पद्य लिखें।

(च) जैन श्रावक अपनी साख को बचाने के लिए लाखों रूपये भी खो सकता है और श्रमणोपासक के लिए यह सौभाग्य की बात है।–वह पद्य लिखें।

प्र. 8 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) सम्यक अजीविका के सिद्धान्त के अनुसार मुख्य रूप से कौन से तीन व्यवसाय त्याज्य हैं?

(ख) सातवों तथा आठवें व्रत के जो अतिचार हैं, उसके अन्तर्गत 'असतीजन पोषण' तथा 'कौत्कुच्य' शब्दों के अर्थ बतायें।

(ग) संजोगा विप्प मुक्कस्स अणगारस्स भिक्खुणों का क्या तात्पर्य है?

(घ) मृषा संभाषण के कौन से मुख्यतः कारण माने गए हैं?

(ङ) विरूद्धराज्यातिक्रम का क्या अर्थ है तथा यह किस व्रत का अतिचार है?

(च) इच्छा परिणाम एक तम्बू है, उसे टिकाने के लिए किन तीन खूंटियों की अनिवार्यता है?